भा. कृ. अनु. प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai-61

NAHEP द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

“भविष्य के लिए डायग्नोस्टिक्स: जलीय कृषि में सटीक डायग्नोस्टिक्स”

13 सितंबर, 2023

प्रतिवेदन

भाकृअनुप - के मा शि सं मुंबई ने राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) के तत्वावधान में 13 सितंबर, 2023 को "भविष्य के लिए निदान: जलीय कृषि में सटीक निदान" पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य जलीय पशु स्वास्थ्य में सटीक निदान के महत्व और कार्यान्वयन को स्पष्ट करना था ।

जलीय खाद्य उत्पादन की वैश्विक मांगों को पूरा करने के लिए जलीय कृषि क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रबंधन, जलीय कृषि में परिशुद्धता निदान के विषय के तहत प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा विषय पर केंद्रित सात आमंत्रित वार्ताएं हुईं। कार्यशाला को दो व्याख्यान सत्रों में विभाजित किया गया, जो आकर्षित करने वाले रहे। गहन बातचीत. रोगज़नक़ खोज और सटीक निदान पर सत्र 1 में चार वार्ताएँ शामिल हुईं और फ़ील्ड अनुप्रयोग के लिए भविष्य निदान पर सत्र 2 में तीन वार्ताएँ शामिल हुईं। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. मेघा के बेडेकर के स्वागत भाषण से हुई। प्रमुख जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन एवं आयोजन सचिव ने स्वागत किया, जिन्होंने कार्यशाला में अपनी उपस्थिति के लिए सभी विशेषज्ञों और कार्यक्रम को तैयार करने के लिए मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए निदेशक और संयुक्त निदेशक और इस कार्यशाला के वित्तपोषण के लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी), सीआईएफई को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कार्यशाला की उत्पत्ति का परिचय दिया, जलीय कृषि में सटीक निदान की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला क्योंकि यह आधारशिला है स्वास्थ्य प्रबंधन का। डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक और प्रधान अन्वेषक, एनएएचईपी ने स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए देखभाल अनुप्रयोगों और प्रौद्योगिकियों में सटीक निदान और गहन नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. सी.एन. रविशंकर, निदेशक और कुलपति, ने अपने अध्यक्षीय भाषण में रेखांकित किया कि बढ़ती आबादी की खाद्य सुरक्षा को पूरा करना और गुणवत्तापूर्ण मछली उत्पादन को सुरक्षित करना जलीय कृषि में विशिष्ट, संवेदनशील और तीव्र रोग निदान पर निर्भर करता है। डॉ. पी.के. साहू, निदेशक, आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवॉटर एक्वाकल्चर, भुवनेश्वर और कार्यशाला के अध्यक्ष ने उपयुक्त चिकित्सीय विकास और मछली उत्पादन को बढ़ाने के लिए आवश्यकता आधारित सटीक निदान विकसित करने की शर्त पर जोर दिया।